मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 54 अंक 12 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
दिसम्बर 2018 बहाई वर्ष : 175

विश्व न्याय मन्दिर

विभाजनकारी सामाजिक संरचना से विचलित हुए बिना, आगे बढ़िए और हर शहरी पड़ोस एवं ग्रामीण इलाके में, विश्व के हर कोने में प्रतीक्षारत आत्माओं तक बहाउल्लाह का संदेश पहुँचाइये, उन्हें ईश्वर तथा महानतम नाम के इस समुदाय में आकर्षित करिये।

–रिज़वान 2010

मणिपुर में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन

मणिपुर का बहाई समुदाय सन् 1980 से स्कूलों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सेवा कर रहा है और बहाईयों के द्वारा संचालित स्कूलों ने बहुत ही शुरुआत से शैक्षणिक शिक्षा के साथ नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा को शामिल किया है, जो उनके स्कूलों में प्रदान की जाती है।

मणिपुर और मिजोरम की क्षेत्रीय बहाई परिषद द्वारा एक दृष्टिकोण के साथ इन विद्यालयों को एक साथ लाने और स्कूलों के बीच परामर्श के लिए एक अवसर प्रदान करने के लिए इनके संस्थापकों के साथ दो दिनों के सम्मेलन का आयोजन बहाई केंद्र में सोसायटी ऑफ यूनिवर्सल लर्नर (सोल) के साथ मिलकर किया गया। सोशल एक्शन की प्रतिनिधि सुश्री मार्था मोगबेलपुर और सोल के संयोजक श्री संदीप कुमार मलिक ने कार्यक्रम के संचालन में अपना सहयोग प्रदान किया। क्षेत्र के सहायक मंडल सदस्यों के अलावा कुछ चयनित स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सचिवों को भी इसमें आमंत्रित किया गया।

इस दो दिन के कार्यक्रम में सामाजिक कार्य 26 नवंबर 2012 और संस्थागत क्षमता निर्माण नवंबर 2009 प्रपत्रों से चयनित अनुच्छेदों का अध्ययन किया गया।

दो दिनों का यह कार्यक्रम इन एजेंसियों को एक साथ लाया जो पिछले कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिगत प्रयास कर रहे हैं। बैठक ने एक ढांचे के भीतर काम करने की आवश्यकता को और अधिक स्पष्ट किया, नियमित परामर्श, कार्रवाई, समीक्षा और अनुभव के माध्यम से एक नई सीख और अंतर्दृष्टि तथा अध्ययन के माध्यम से अनुभव प्राप्त किया।

मित्रों को समझ में आया कि यह सीखने का एक बड़ा क्षेत्र है और यह बैठक एक दृष्टिकोण की ओर मिलकर काम करने की दिशा में पहला कदम है और अनुभव, ज्ञान और दृष्टिकोण साझा करने के लिए नियमित रूप से मिलने के लिए तैयार हैं ताकि ये तरीके अपने स्कूलों में लागू कर सकें और बच्चों की नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए क्या किया जा सकता है, जो अकादमिक शिक्षा के साथ–साथ वे व्यवस्थित तरीके से दे सकें।

मित्रों द्वारा विचार किए गए ढांचे का एक तत्व यह है कि मनुष्य को भद्र बनाया गया है और यह कैसे माता–पिता और समुदाय के साथ बातचीत के तरीके को प्रभावित करेगा। साथ ही हमें अपने स्कूलों में एक ऐसा वातावरण बनाने की जरूरत है ताकि माता–पिता



मणिपुर में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

आ सकें और बच्चों के विकास और समाज के परिवर्तन के लिए घर, स्कूल और समुदाय की जिम्मेदारी को शिक्षकों के साथ मिलकर समझें।

एक बच्चे का परिवर्तन जो मुख्य रूप से माता–पिता और शिक्षकों पर निर्भर करता है और इसके लिए मित्रों को यह समझना होगा कि शिक्षकों और प्रशासकों के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को संबोधित करने और स्कूलों में बच्चों की बहाई कक्षा और किशोर कार्यक्रमों को लागू करने की आवश्यकता है। मित्रों ने उपरोक्त दो बातों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

महिला और विकास पर बैठक का आयोजन

मध्यप्रदेश, इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में बहाई चेयर ने बरली विकास संस्थान के साथ इंदौर में डीएवीवी के आरएनटी मार्ग परिसर में 'महिलाओं और विकासः परिवर्तन के लिए नये अवसरों को अपनाना' विषय पर एक बैठक आयोजित की। बैठक में अकादमिक, एनजीओ क्षेत्र और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित सदस्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपनी शुरुआती टिप्पणी में, डॉ. सविता इनामदार ने उल्लेख किया कि हालांकि संविधान पुरुषों के साथ आध्यात्मिक सिद्धांत के रूप में स्वीकार किया जाएगा। "हमें यह सीखना है कि आत्मा के मौलिक स्तर पर पुरुष और महिला एक समान हैं। हमारे पास एक आम मानव पहचान है। ये सिद्धांत परिवारों और स्कूलों में बच्चों को सिखाया जाना चाहिए ताकि वे बड़े होकर इस प्रकार के भेदभाव से दूर रहें।"

डॉ जनक मैकगिलिगन ने समानता के सिद्धांत पर लड़कों और पुरुषों को शिक्षित और संवेदनशील करने की आवश्यकता पर बल दिया। आम तौर पर पुरुषों को परिवार और



महिला और विकास पर आयोजित बैठक के प्रतिभागी

महिलाओं के बराबर अधिकारों का आश्वासन देता है और महिलाओं को अधिक अवसर और अधिकार देने के लिए कई कानून बनाए गए हैं, फिर भी व्यापक भेदभाव है। "महिलाओं की भूमिका के पारंपरिक विचार हैं जो तय किए गए हैं और जिन्हें बदलने की जरूरत है। लोग अभी भी इन रूढ़िवादी विचारों को बदलने का विरोध करते हैं। वे कहते हैं, 'हमारे यहां ऐसा ही होता है।' एक बेटे के जन्म पर उत्सव होता है, यह माना जाता है कि खाना पकाने और कपड़े धोने जैसे घरेलू काम करना लड़कियों की ही जिम्मेदारी होती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी नीतियों में भी महिलाओं को 'मां' के रूप में बहुत अधिक महत्व दिया गया है। उन नीतियों के अनुसार उनके पास बच्चों को जन्म देने से पहले या उसके बाद अपना कोई जीवन नहीं है। बच्चों और परिवार की देखभाल करने के अलावा उनकी कोई भूमिका नहीं है।"

उन्होंने उल्लेख किया कि परिवर्तन तब आएगा जब महिलाओं और पुरुषों की समानता को एक

समाज द्वारा सिखाया जाता है कि महिलाएं उनकी सेवा करेंगी। लड़कों को परिवार और समाज की सेवा करने के लिए बचपन से ही सिखाया जाना चाहिए। आज अभिभावक पढ़ाई और नौकरी के लिए बेटों को विदेश भेजना चाहते हैं उनमें देश, समुदाय और परिवार की सेवा का भाव जगाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

प्रोफेसर रंजना सहगल ने महिलाओं पर क्षमताओं और ताकत से भरे समाज के लिए मानव संसाधन के रूप में ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उन्हें उचित अवसर और वातावरण की आवश्यकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाओं को एक सुरक्षित वातावरण मिले जहां उनकी प्रतिभाएं विकसित हो सकें।

डॉ. एनील बाबू ने कहा कि लिंग रूढ़िवादिता को बदलने के लिए ये जरूरी है कि हम लड़कियों को ऐसे व्यवसायों के लिए भी प्रशिक्षित करें जो परम्परागत रूप से पुरुषों को दिए गए हैं।

इस अंक में

हिन्दी पूर्वी ज़ोन का बहाई बाल कक्षाओं से संबंधित समीक्षा सेमिनार सम्पन्न

हिन्दी पूर्वी ज़ोन के बहाई बाल कक्षा से संबंधित सेमिनार का आयोजन 26 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 2018 तक उड़ीसा के भुवनेश्वर में सम्पन्न हुआ। इसमें बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, असम और अंडमान निकोबार द्वीप समूह से लगभग 60 मित्रों ने भाग लिया। साथ ही इस सेमिनार में महाद्वीपीय सलाहकार, श्री राजन सावंत का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

सभी मित्रों ने परिचय देकर एक–दूसरे से अवगत कराया और फिर जोनल टीम के सदस्य श्री राहुल कुमार ने सेमिनार की संकल्पना, इसके उद्देश्य, 2010 के रिज़वान संदेश के बाद सेमिनार का क्रम और उनके बीच के अन्तर्सम्बन्ध और पिछले सेमिनार के दौरान प्राप्त उपलब्धियों और सीखों को बाँटा। श्री राजन सावंत ने सेमिनार के उद्देश्यों और अपेक्षाओं को विस्तार से बताते हुए कहा कि यह सेमिनार ऐसा अवसर है जब हम क्लस्टर में कर रहे कार्यों की सीखों को, चुनौतियों को, नई अन्तर्दृष्टियों का विश्लेषण करते हैं।

समीक्षा के चरण में नाउकटा, लोहरीजान, नियाली, भुवनेश्वर, बालीपटना, फतुहा, बिहारशरीफ़, चुनौतियाँ रहीं, प्रशिक्षण कैसे हो पाया, कक्षा से पूर्व की तैयारी किस प्रकार कर पा रहे हैं, कुछ परिवर्तन की कहानियाँ, अभिभावकों से किस प्रकार संबंध स्थापित किए जा रहे हैं जैसे विषयों पर वार्तालाप की गई। इन शिक्षकों की कक्षाओं का भ्रमण किया, जिनमें अधिकांश कक्षाएँ ग्रेड–2 की थीं। इस भ्रमण के दौरान प्रतिभागी बच्चे किस तरह उद्धरण याद कर रहे थे, चित्रांकन करने की क्षमता कैसे विकसित हो पा रही थी, नाटक कैसे कर पा रहे थे और साथ ही शिक्षक और बच्चों के बीच संबंध को भी इन प्रतिभागियों ने नजदीकी से देखा और काफी नई सीखों को प्राप्त किया। भुवनेश्वर क्लस्टर के विभिन्न समुदायों में उषाकालीन प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं। गृह–भ्रमण कर बच्चों के अभिभावकों के साथ उनमें हो रहे परिवर्तन, सीखे गए प्रार्थना, उद्धरण, गीत, कहानियाँ, नाटक और इन सबका बच्चों के जीवन और उनकी आदतों पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित वार्तालाप कीं। साथ ही किस प्रकार बच्चों द्वारा सीखे गए गुणों को विकसित करने के लिए घरों में भी आध्यात्मिक



भुवनेश्वर में आयोजित समीक्षा सेमिनार के प्रतिभागी

अलौली, जमशेदपुर और पोर्ट ब्लेयर क्लस्टर के अलग–अलग अनुभव और सीखों से सेमिनार के दौरान बहुत सारी नवीन अन्तर्दृष्टियाँ उभर कर सामने आयीं। जिसमें मुख्य रूप से शिक्षकों को समूह में कार्य करना, अनुभवी शिक्षकों को मोनिका के रूप में विकसित करना, समुदाय स्तर पर नाभिकों का विस्तार और उसकी क्षमता विकसित करना, राज्य या क्षेत्रीय स्तर पर प्रशिक्षण संस्थान मंडल की मदद के लिए एक "थिंकिंग ग्रुप" की भूमिका, बच्चों की कक्षाओं के औपचारीकरण के लिए समूहों में कक्षाओं का एक ग्रेड से दूसरे ग्रेड में प्रवेश कराना, समीक्षा के अवसरों को मजबूत करना, बच्चों के अभिभावकों के साथ संबंध स्थापित करना, क्लस्टरों या समुदाय के स्तर पर नाभिकों का प्रतिदिन मिलकर प्रार्थना, अध्ययन, परामर्श, समीक्षा और योजना बनाना जैसी अन्तर्दृष्टियाँ सम्मिलित थीं।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान भुवनेश्वर, नीमापाड़ा, नियाली और बालीपटना क्लस्टरों के विभिन्न समुदाय का चार दिन भ्रमण किया गया, जिसमें कक्षाएँ ग्रेड–1 से ग्रेड–2 में प्रवेश की क्या माहौल उत्पन्न हो और किस तरह से प्रार्थना सभा इस वातावरण को उत्पन्न करने में सहायक है–जैसे विषयों पर भी वार्तालाप की गई। इसी क्रम में, चारों क्लस्टर के अलग–अलग समुदाय में अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया, जिनमें अनेक अभिभावक एकत्रित हुए जिनके साथ स्थानीय शिक्षक और सेमिनार के प्रतिभागी सामूहिक रूप से बहाई बाल कक्षा के उद्देश्य, उसकी गतिविधियाँ और इन गतिविधियों के कारण कक्षाओं में भाग ले रहे बच्चे, उनके परिवार और अंततः समुदाय पर पड़ रहे प्रभाव इससे जुड़ी बातों को अपनी बातचीत में सम्मिलित किया, साथ ही इस बैठक के दौरान अभिभावकों ने भी स्थानीय युवा शिक्षकों को उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित किया।

नीमापाड़ा और नियाली क्लस्टर में बाल मेले का भी आयोजन किया जिसमें समुदाय की भागीदारी और स्वामित्व नजर आया और यह दिख रहा था कि इन कक्षाओं के माध्यम से किस प्रकार वहाँ का समुदाय एक जीवंत समुदाय में बदल रहा है जिसमें

शेष पृष्ठ 4 पर

बाब और बहाउल्लाह का जन्मोत्सव

• हरियाणा के गुरूग्राम में बाब और बहाउल्लाह के जन्म का उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया, जिसमें 250 बच्चे, 350 किशोर, 70 युवा और 400 अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से हुई जो युवा और किशोरों द्वारा की गईं थीं। उपस्थित सभी मित्रों को बाब और बहाउल्लाह के जीवन और



गुरूग्राम में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

कार्यक्रम की महत्ता के बारे में बताया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान अनेक गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान ही 5 मित्रों ने रूही पुस्तक की कक्षा में भाग लेने के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की।



कल्याण में होने वाले कार्यक्रम के प्रतिभागी

उत्सव के अगले दिन कुछ अभिभावकों ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें बहुत अच्छा लगा और वे चाहते हैं कि उनकी बेटा/बेटी भी



देवलाली बहाई भवन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

ऐसी कक्षाओं में भाग लें ताकि वे भी वह सब कुछ सीखें जो बाकी सभी बच्चों ने सीखा है।

• महाराष्ट्र के कल्याण और भिवंडी में 9 और 10 नवंबर 2018 को बाब और बहाउल्लाह के जन्मोत्सव का समारोह बहुत ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें कोंगांव, उल्हासनगर, बदलापुर के मित्र शामिल हुए। कल्याण में 100 और भिवंडी में 70 मित्रों ने भाग लिया। बाब और बहाउल्लाह के जीवन के बारे में वार्ता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और लेखों आदि के माध्यम से बताया गया। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

• देवलाली के बहाई भवन में भी बाब और बहाउल्लाह के जन्मोत्सव का समारोह मनाया गया। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक मित्रों ने भाग लिया। पिछले दो चक्रों के दौरान देवलाली के 4 क्षेत्रों में 200 से अधिक मित्रों ने प्रभुधर्म में अपनी आस्था व्यक्त की थी। उन सभी को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया, सभी ने कार्यक्रम का आनन्द उठाया। बहाई कक्षा के बच्चों और युवा समूहों द्वारा प्रार्थनायें और गीत–नृत्य आदि प्रस्तुत किए गए। स्थानीय आध्यात्मिक सभा देवलाली की ओर से पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

वर्ष 2018–2019 के लिए राज्य/क्षेत्रीय बहाई परिषदों के सदस्यगण

क्षेत्रीय बहाई परिषद आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना

1. श्री सरूस फनियान
2. श्रीमती वासंथी गोपीनाथ
3. श्री देवी कुमार
4. श्री अजय नायडू
5. श्रीमती तुलासी राजशेखर
6. श्री ई. वी. रंगईया
7. सुश्री साविर्थी रेड्डी
8. श्री चन्द्रा शेखर
9. श्री बाल सिंह

क्षेत्रीय बहाई परिषद असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड

1. श्री हरकेशवर बोरो
2. श्री अनंदा ब्रह्मा
3. श्री दिलीप दास
4. श्री विक्की घोष
5. श्री जयंता कालिता
6. श्री सामू केरकेता
7. सुश्री प्रियंका कुमारी
8. श्रीमती शारदा नायक
9. श्री श्याबा नगंगोन

राज्य बहाई परिषद बिहार

1. श्री दीपेन्द्र चन्दन
2. सुश्री रीना दानेश
3. सुश्री उषा कुमारी देवी
4. श्री रंजन कुमार
5. श्री रेन्टो कुमार
6. श्री राकेश कुमार राज
7. श्री शम्भु शरण
8. श्री ओम नमः शिवाय
9. श्री रोहित कुमार

राज्य बहाई परिषद छत्तीसगढ़

1. श्री सुनिर्मल महातो
2. श्री कमल रावल
3. श्रीमती पूजा साहू
4. श्री संतोष शर्मा
5. श्री तुमनलाल सोनवानी

राज्य बहाई परिषद गुजरात

1. सुश्री बिन्दिया अहीरे
2. श्री राजेश अहीरे
3. श्री सैफुद्दीन अनीस
4. श्री वसंत बागुल
5. श्री धर्मेश भीमसेन
6. श्री जयेश भोये
7. श्री प्रशांत चिनूभाई
8. श्री विजय गावित
9. सुश्री निशा पुनावाला

राज्य बहाई परिषद झारखण्ड

1. सुश्री आरती कुमारी छेत्री
2. सुश्री श्वेता फ्रांसिस
3. श्री महानंद
4. श्री रतन महातो
5. श्री संदीप शर्मा

राज्य बहाई परिषद कर्नाटक

1. श्री सतीश कुमार एचबी
2. श्री रवि किरण
3. श्री योगेश लोंधे
4. कैप्टन मल्लिकार्जुन
5. सुश्री नागाश्री
6. सुश्री पार्वती
7. श्री दिनेश राव
8. श्री गणेश शिनॉय
9. श्रीनाथ

राज्य बहाई परिषद केरल

1. श्री विनोद अरिथीर्थम
2. एडवोकेट वी. जी. बिजू
3. सुश्री बिनारा घनबरी
4. श्री संजू विजय कुमार
5. सुश्री ज्योथी प्रभाकरण
6. श्री वी. रामाकृष्णन
7. श्री राथेसन
8. सुश्री सोभा टोमी
9. श्री एम. उनीज़

राज्य बहाई परिषद मध्यप्रदेश

1. श्रीमती ललिता अनंत
2. श्री अराश फज़ली
3. श्री प्रकाश कौशल
4. श्रीमती अलका कुमार
5. सुश्री ज़रीन मिश्रा
6. श्री धर्मवीर नरवारिया
7. श्री पातीराम नरवारिया
8. श्री रोशन लाल पटेल
9. श्री सौरव सिंह

क्षेत्रीय बहाई परिषद महाराष्ट्र एवं गोवा

1. श्री आकाश चक्रबर्ती
2. श्रीमती मार्ज़िया दलाल
3. श्री संदीप गौरे
4. श्री मिथुन कांबले
5. श्री मनोज पथारे
6. श्रीमती कविता पवार
7. श्रीमती सविता शिखरे
8. श्री सिद्धिविनायक शिंदे
9. श्री सुमित सिंह

क्षेत्रीय बहाई परिषद मणिपुर एवं मिजोरम

1. श्री बिनोय बुशोन
2. सुश्री हरिबती देवी
3. सुश्री इनाओ देवी
4. सुश्री सनाटुम्बी देवी
5. श्री इबोम्चा मितई
6. सुश्री बिलाशिनी निशिमबानी
7. श्री लाल बिहारी
8. श्री के एच सुरेश
9. श्री खेलजीत थोंगराम

राज्य बहाई परिषद उड़ीसा

1. सुश्री अनीता बेहरा
2. श्री घनबिहारी धनसेना
3. श्री तरंग दास
4. सुश्री मिताली मलिक
5. श्री बबलू मिश्रा
6. श्री गदाधर मोहंती
7. सुश्री मोना मोतल्लबी
8. श्री रियाज़ मोतल्लबी
9. श्री सुशांत नायक

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू कश्मीर

1. श्रीमती पुतुल अध्या
2. श्री विकास छेत्री
3. सुश्री किरन
4. सुश्री बबीता नन्दकिशोर
5. श्री रघुपति
6. श्री जोधाराम रेक्ता
7. श्री शुभम
8. सुश्री आरती थापा
9. श्रीमती होमा ज़मानी

राज्य बहाई परिषद राजस्थान

1. श्री मुकेश आनन्द
2. सुश्री अपर्णा अनंत
3. श्री शिव चरण
4. श्री हरमीत सिंह कोहली
5. श्री संजय शर्मा

क्षेत्रीय बहाई परिषद सिक्किम एवं दार्जिलिंग

1. श्री हेस्सम ईसा
2. श्री सरोज लामा
3. श्री बिनोद पोखरेल
4. श्री बलराम प्रधान
5. श्रीमती रूपा प्रधान
6. श्री कैलाश शर्मा
7. सुश्री रोशनी शेख
8. श्री ललित थापा
9. श्री संजय थापा

क्षेत्रीय बहाई परिषद तमिलनाडु एवं पुडुचेरी

1. श्रीमती मार्था अख़्तरखावेरी
2. सुश्री अस्सियप्रिया
3. श्री भरथ अरुमुगम
4. सुश्री मल्लिगा कार्मेगम
5. श्री कमलासेखरन पांडयन
6. सुश्री सरस्वथी
7. श्री सुब्रामणि
8. सुश्री मल्लिगा सुन्दर
9. श्री आर. वैंकेटेशन

राज्य बहाई परिषद त्रिपुरा

1. सुश्री रीना बैद्या
2. श्री रूपक बिश्वास
3. श्री मनीष देब
4. श्री प्रबीर देबनाथ
5. श्री बिभूति रंजन कर्माकर
6. श्री उत्तम मित्रा
7. सुश्री दीया रॉय
8. श्री केशब रॉय
9. श्री बिश्वजीत सिन्हा

क्षेत्रीय बहाई परिषद उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखण्ड

1. श्री नदीम अमीर
2. श्री अमित कुमार
3. श्री प्रिंस कुमार
4. श्री राजीव कुमार
5. श्री प्रमोद मौर्या
6. श्री एहलाम मोहाजर
7. श्रीमती मयूरी मोहाजर
8. श्रीमती हेमलता सिंह
9. श्री प्रेम सिंह

राज्य बहाई परिषद पश्चिम बंगाल

1. श्री सैयद अली
2. श्री प्रदीप भट्टाचार्य
3. श्री धनंजय कुमार
4. श्री बिद्युत कुम्भाकर
5. श्री प्रदीप महातो
6. श्री कमलकांत महातो
7. श्री मोनीशंकर मैती
8. सुश्री श्रद्धा घोष पाल
9. श्रीमती जेबा यादव

• • • • • • • • •

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.

Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

मध्यप्रदेश में 19 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

20 अक्टूबर को सहायक मंडल सदस्य के साथ संपन्न हुई स्थानीय सभा की बैठक में विशेष चर्चा का विषय रहा कि कैसे हम प्रभुधर्म की गतिविधियों को बढ़ाएं, कैसे रुकी हुई गतिविधियों को पुनः प्रारम्भ कर पाएं व ईशदूत बाब व बहाउल्लाह का जन्मोत्सव आदि।

परामर्श उपरांत 22 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक 19 दिनों का एक विशेष शिक्षण अभियान प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। शिक्षण के लिए भोपाल व सीहोर क्लस्टर का चुनाव किया गया। शिक्षण दल बनाये गए, सभा का प्रयास था कि इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक बहाई मित्र भाग ले पायें और ऐसा ही हुआ।

शिक्षण कार्य भोपाल के इंद्रपुरी, अयोध्या नगर, मिनाल रेसीडेंसी, पड़रिया, कोकता व अवधपुरी में तथा पड़ोसी क्लस्टर सीहोर में किया गया। परिणाम स्वरूप भोपाल में लगभग 68 व सीहोर में लगभग 55 कुल मिलाकर 123 लोगों को प्रभुधर्म का संदेश दिया गया। कई परिवारों के साथ शिक्षण के समय कई सामाजिक विषयों की चर्चा रही जबकि कुछ परिवारों में शैक्षणिक गतिविधियों व उनकी गुणवत्ता व प्रभाव पर भी चर्चा हुई। इस पूरे प्रयास में 19 मित्रों ने प्रभुधर्म में अपनी आस्था भी व्यक्त की। तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण के साथ ही 2 नए स्टडी सर्कल की योजना बनी किन्तु परीक्षाओं व त्योहारों के कारण संस्थान अभियान नहीं शुरू हो सका जबकि एक स्टडी सर्कल की दो पूरे दिन की कक्षा हो भी चुकी है। दो रुकी हुई किशोर कक्षा पुनः प्रारम्भ होना सुनिश्चित हुआ और एक नई बाल नैतिक कक्षा 5 बच्चों के साथ प्रारम्भ हो चुकी है। इसी तरह 4 घरों में प्रार्थना सभा का शुभारंभ होना भी मित्रों ने तय किया।

इस पूरे प्रयास से जहाँ सभी बहाई मित्र बहुत खुश हैं वहीं सीहोर में राजनैतिक परिस्थितियों के कारण अपेक्षा अनुरूप कम परिणाम मिल पाने से कुछ निराश भी हुए।

बाब और बहाउल्लाह का जन्मोत्सव

पृष्ठ 2 का शेष

• झारखण्ड राज्य के विभिन्न समुदायसमूहों में युवावतार बहाउल्लाह का 201वां तथा बाब का 199वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। उत्सव का माहौल झारखण्ड में भाग लिया। इनमें 1270 जिज्ञासु थे। कई जगहों पर उत्सव में अपने घरों में सुंदर रंगोली बनाकर संदेश देने का प्रयास किया गया। सभी स्थानों पर बहाउल्लाह और बाब की संक्षिप्त



झारखण्ड के एक समुदाय में युगल जन्मोत्सव मनाते हुए मित्रगण

पूरे 7 दिनों तक चला, जिसका मुख्य उद्देश्य समुदाय की अधिक से अधिक आत्माओं को उत्सव में शामिल करना था। यह युगल उत्सव झारखण्ड के 11 क्लस्टरों में 31 समुदायों में मनाया गया। जिनमें कुल 1856 आत्माओं ने जीवनी प्रस्तुत की गई और जिज्ञासुओं एवं अभिभावकों के साथ बहाई बाल कक्षा, किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम, स्टडी सर्कल तथा भक्तिपरक बैठकों के महत्व के बारे में भी बताया गया।

हिन्दी पूर्वी ज़ोन का बहाई बाल कक्षाओं से संबंधित समीक्षा सेमिनार सम्पन्न

पृष्ठ 2 का शेष

विकास के तीनों नायक मिलकर अपनी प्रतिभागिता दर्ज कर रहे हैं। सेमिनार के एक मुख्य तत्व अध्ययन सत्र के दौरान सर्वप्रथम प्रशिक्षण संस्थान "उच्च स्तरीय कार्य प्रणाली को प्राप्त करना" के कुछ चयनित पैराग्राफ, जो बच्चों की कक्षा से संबंधित हैं, उसका अध्ययन किया गया जिसके आधार पर मित्र अपने–अपने क्लस्टरों का विश्लेषण भी कर रहे थे। अध्ययन सत्र के दौरान ग्रेड–3 की दूसरी इकाई के एक सेट का अध्ययन सभी प्रतिभागियों ने चार छोटे–छोटे ग्रुपों में बंटकर किया। इस पुस्तक के अध्ययन के साथ–साथ मित्र सभी ग्रेडों के बीच के अंतर्सम्बंधों को भी खोज रहे थे। साथ ही ग्रेड–3 के पहले सेट के भागों का मुख्य विषय–बिन्दु पर ही केन्द्रित होकर चर्चा करते नजर आए। अंत में "बहाई बच्चों की शिक्षा के कार्यक्रम को प्रणालीबद्ध करना" परिपत्र का अध्ययन किया गया, जिसके फलस्वरूप सभी प्रतिभागियों को अपने क्लस्टर और उसके चयनित समुदाय में बच्चों की कक्षा का अगला क्षितिज दिखना आरंभ होने लगा है।

सेमिनार के दौरान विश्व केन्द्र द्वारा तैयार "एक बढ़ता हुए दायरा" फिल्म भी सभी प्रतिभागियों ने देखी और उस पर चर्चा भी की।

सेमिनार के अंत में योजना के चरण में सभी क्लस्टरों के मित्रों ने योजना बनाई और प्रस्तुति की। योजना निर्माण के दौरान उन्होंने रिज़वान 2019 और महात्मा बाब की 200वीं जयंती (अक्टबूर 2019) तक की योजना बनाई कि उस अवधि तक क्लस्टरों में बच्चों की कक्षाओं की संख्या कितनी होगी, उसे व्यवस्थित किस प्रकार किया जाएगा, समीक्षा के अवसरों को मजबूत करना, ग्रेड प्रशिक्षण तथा साथ ही समुदाय चिह्नित कर बच्चों की कक्षाओं के औपचारीकरण के लिए कदम उठाना इत्यादि तत्वों को शामिल किया गया।

सेवा का अवसर

दिल्ली के बहाई उपासना मन्दिर में प्रतिदिन हजारों आगंतुकों को प्रभावी ढंग से प्रभुधर्म का शिक्षण देने और प्रसार करने में अनेक स्वयंसेवक अपना सराहनीय योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम को जारी रखने के लिए उपासना मन्दिर में स्वयंसेवकों की आवश्यकता है। जो मित्रगण एक से तीन महीने के लिए स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवायें देना चाहते हैं, वे कृपया bahaitem@gmail.com पर संपर्क करें।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.12. 2018
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)